बरेली, सोमवार
8 मई 2023
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 18

दैनिक जागरण

Page No. 09 : Top

आपका एक वोट करेगा समस्याओं को खत्म

दैनिक जागरण के बैनर तले एसआरएमएस रिद्धिमा में हुआ नाटक का मंचन, किया लोगों को जागरूक

जागो वोटर

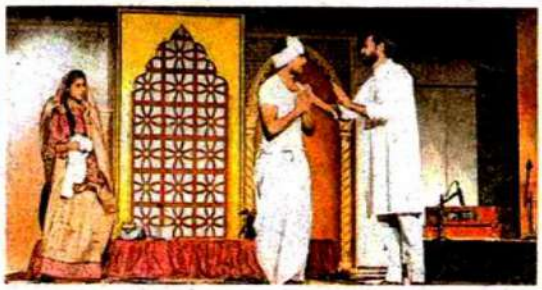

जासं, बरेली : शाम पांच बजे का समय हैं, एसआरएमएस रिद्धिमा का हाल खचाखच भर गया है। मंच पर कलाकारों के आते ही पूरा हाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठता है। कलाकार भी मुस्कुराकर सभी का अभिवादन स्वीकार करते हैं, लेकिन रविवार की शाम बीते रविवार से जुदा रही। मंच पर कलाकार सबसे पहले मतदान जागरूकता को लेकर बात करते हैं। नुक्कड़ नाटक से सभी को उनके वोट की अहमियत समझाकर मतदान करने का संकल्प दिलाते हैं। दैनिक जागरण के बैनर तले हुई प्रस्तुति को देखकर दर्शकों ने भी मतदान करने का संकल्प लिया।

रिद्धिमा में लोगों को मतदान को जागरूक करते कलाकार • जागरण

नाटक मंचन के दौरान अभिनय करते कलाकार • जागरण

नाटक मंचन की शुरुआत किसान रमेश के घर से होती है, जहां खेत से लौटकर रमेश जमीन पर लेटकर थकान मिटा रहा था। पास में ही उनकी पत्नी अपना फटा हुआ कपड़ा सिल रही थी। अचानक से आवाज आई। अरे रमेश... सो रहे हो क्या? मतदान करने नहीं जाना हैं। मतदान से अनजान रमेश बोला। भइया हमें कहीं न जाना।

हम बहुत थक गए हैं। कैसी बात करते हो रमेश कहते हुए भइया ने समझाने के अंदाज में कहा कि मतदान तुम्हारा अधिकार है। इस पर रमेश ने कहा कि भइया क्यों हमें फंसा रहे हो? हम गरीब आदमी है? माफ करो हम कहीं न जाएं। फिर भइया ने कहा कि फंसा नहीं रहे हैं। सिर्फ तुम्हें मताधिकार के बारे में समझा रहा हूं। मतदान...? जा का होत है भईया... रमेश ने पूछा। भइया ने कहा कि तुम्हें आज तक किसी ने बताया नहीं कि मतदान क्या होता है? मैं तुम्हें समझाता हूं... इस पर भइया ने बताया कि तुम अपने मत का प्रयोग करके किसी उम्मीदवार को चुन सकते हैं जो तुम्हारे विकास के बारे में सोचे। तुम्हें रोजगार के अवसर प्रदान करे, तुम्हारी समस्याओं के बारे में सोचे। समझे... फिर रमेश ने पूछा कि भइया हमारे मतदान से ये सब समस्या ठीक हो सकती हैं।

इस पर भइया ने कहा कि हां बिल्कुल हो सकती हैं। रमेश ने कहा कि भइया जे मतदान के लिए चाहिए क्या चीज? इस पर भइया ने बताया कि कोई वोटर आइडी, या एक ऐसा कागज जिस पर तुम्हारा नाम और फोटो हो। अपनी अंटी से वोटर आइडी निकालकर दिखाई तो भइया ने कहा कि यही वोटर आइडी है। इसी से मतदान हो जाएगा और वह रमेश और उसकी पत्नी को वोट करने के लिए ले जाते हैं। मंचन के बाद एसआरएमएस रिद्धिमा में मौजूद सभी दर्शकों को मतदान के बारे में भी जागरूक किया गया। पूरा रिद्धिमा तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। मंचन करने वालों में मोहसिन खान, फरदीन खान और विशा ने शैलेंद्र शर्मा के मार्गदर्शन में मंचन किया।

हिन्दुस्तान
1936
तत्य · सार्थक · सदैव
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
सोमवार
8 मई 2023, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष, तृतीया, विक्रम संवत 2080, बरेली

Page No. 06 : Top

कारवां-ए-गजल में गुरु-शिष्यों की दिखी जुगलबंदी

- एसआरएमएस रिद्धिमा में किया गया आयोजन
- कागज की कश्ती और बारिश को किया याद

बरेली, मुख्य संवाददाता। संगीत में इंस्ट्रूमेंटल जुगलबंदी हमेशा से श्रोताओं और दर्शकों को लुभाती रही है। रविवार को एसआरएमएस रिद्धिमा के मंच पर कारवां-ए-गजल में भी गुरु और शिष्यों की जुगलबंदी ने श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।

कारवां ए गजल का आरंभ इंस्ट्रूमेंटल पर 'चुपके चुपके रात दिन आंसू बहाना' से हुआ। विद्यार्थियों ने 'तुम इतना जो मुस्कुरा रहे हो', 'होश वालों को खबर क्या' से मंच संभाला। 'आपको देख कर देखता रह गया' गजल में विद्यार्थियों को रजनी अग्रवाल और गायन में गुरु स्नेह आशीष दुबे का भी साथ मिला। एसआरएमएस ट्रस्ट की शैक्षणिक संस्थाओं के प्लेसमेंट सेल के निदेशक डा. अनुज कुमार ने 'वो कागज की कश्ती वो बारिश का पानी' गाकर बचपन को याद किया। वंदना दुग्गल खन्ना ने साहिर लुधियानवी की प्रसिद्ध गजल 'तुम अपना रंजो गम अपनी परेशानियां' को स्वर दिए तो श्रबोनी भट्टाचार्य ने 'ए मुहब्बत तेरे अंजाम पे रोना आया' और इंदु परडल ने मिर्जा गालिब की गजल 'दिल ही तो है रंजो खिश्त' को गाकर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। गायन गुरु स्नेह आशीष दुबे ने 'बेसबब बात बढ़ाने की जरूरत', गुरु आयुषि मजूमदार ने 'वो जो हम में तुम में करार था' को अपनी मखमली आवाज दी। दोनों ने एक साथ 'दुनिया जिसे कहते हैं' को भी अपने स्वर दिए। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देवमूर्ति, आशा मूर्ति, इंजीनियर सुभाष मेहरा, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. रजनी अग्रवाल, डा. रीटा शर्मा सहित शहर के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रविवार को एसआरएमएस रिद्धिमा के मंच पर कारवां-ए-गजल प्रस्तुत करते कलाकार। • हिन्दुस्तान